

---

# Shri Hayagriva Prarthana Dvadashakam

श्रीहयग्रीवप्रार्थनाद्वादशकम्

## Document Information

---

Text title : Hayagriva Prarthana Dvadashakam

File name : hayagrIvaprArthanAdvAdashakam.itx

Category : vishhnu, dvAdasha

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Chandrasekhar Karumuri

Proofread by : Chandrasekhar Karumuri

Latest update : August 13, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 24, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Hayagriva Prarthana DvDashakam

---

### श्रीहयग्रीवप्रार्थनाद्वादशकम्

---



नमोवेदान्तनिधये शास्त्राणां पतये नमः ।  
यज्ञानां निधये तुभ्यं कर्मणां कृलदायिने ॥ १ ॥

विधाधराय योगाय वागीशाय नमो नमः ।  
अचिन्त्याय नमो नित्यं सर्वज्ञानात्मने नमः ॥ २ ॥

ऋङ्मूर्तिस्त्वं मडाभाडो! यजुर्मूर्तिरधोक्षजः ।  
साममूर्तिस्त्वमेवाधः सर्वदाऽथर्वमूर्तिमान् ॥ ३ ॥

सर्वज्ञानमयोऽसि त्वं उतज्ञानोऽडमय्युत ! ।  
देहि मे सर्वविज्ञानं हयग्रीव! नमोऽस्तु ते ॥ ४ ॥

प्रपन्नोऽहं हयग्रीवं प्रपन्नार्तिहरें हरिम् ।  
यस्य प्रसादलेशेन वागीशत्वमुपाविशत् ॥ ५ ॥

धन्योऽहं कृतकृत्योऽहं मुक्तोऽहं कर्मबन्धनैः ।  
हयग्रीवपदाम्भोजस्मरणेनैव येतसा ॥ ६ ॥

श्रीभूनीणादिसहितं सर्वाभरणभूषितम् ।  
हयग्रीवमहं वन्दे यङ्गपद्मधरे हरिम् ॥ ७ ॥

शङ्खचक्रमहापद्मज्ञानपुस्तकधारिणाम् ।  
हयग्रीवमहं वन्दे विद्यैश्वर्यप्रदायकम् ॥ ८ ॥

शुद्धस्फटिकसङ्काशं पुण्डरीकायतेक्षणाम् ।  
सर्वशास्त्रप्रदातारं हयग्रीवमुपास्महे ॥ ९ ॥


ज्ञानानन्दमयन्तेवं निर्मलस्फटिकाकृतिम् ।  
आधारं सर्वविद्यानां हयग्रीवमुपास्महे ॥ १० ॥

शङ्खचक्रमहामुद्रापुस्तकाढ्यं यतुर्भुजम् ।  
सम्पूर्णचन्द्रसङ्काशं हयग्रीवमुपास्महे ॥ ११ ॥


विशुद्धविज्ञानघनस्वरूपं विज्ञानविश्राणनभङ्गदीक्षम् ।  
दयानिधिं देऒभृतां शरण्यं देवं ऒयग्रीवमङ्गं प्रपद्ये ॥ १२ ॥  
इति श्रीऒयग्रीवप्रार्थनाद्वादशकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Chandrasekhar Karumuri

---

——  
*Shri Hayagriva Prarthana Dvadashakam*

pdf was typeset on September 24, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

